ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

मासिक

समाचार पत्रिका

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंकः सितम्बर 2018, मुद्रणः 28 सितम्बर 2018

डीपीए का डेलीगेशन डॉ. हर्षवर्धन से मिला

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष श्री राजेश सरदाना के नेतृत्व में केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से उनके निवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री महोदय से दिल्ली में प्रिंटर्स बंधुओं की समस्याओं पर विचार–विमर्श किया और आल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स की वार्षिक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का निमंत्रण भी दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व अध्यक्ष श्री सुनील जैन, संयुक्त सचिव श्री पुनीत तलवार, कोषाध्यक्ष श्री केवल कृष्ण सिंघल मौजूद थे।

First choice of Printing Machine Manufacturers

Up to 60% cost reduction with
Busch Merlin Dry Rotary Claw Vacuum Pump

Busch Vacuum India Pvt Ltd.
Plot No.: 102-103, I Sector 5 I IMT Manesar I Gurgaon (Haryana) 122 050 I India
Phone: +91-9711991473 I sales@buschindia.com
www.buschindia.com

ESTD : 1954

President
Mr. Rajesh Sardana
98100-31996

Imm. Past President
Mr. Rajiv Gupta
98117-01764

Vice-presidents
Mr. Ajay Sharma
8178429924

Mr. Meghraj Bhati
98103-52633

Mr. Prakash Dass
98187-24948

Hon. General Secretary
Mr. Mahinder Budhiraja
93122-41788

Joint-secretaries
Mr. Atul Goel
98100-03943

Mr. Puneet Talwar
98110-81291

Treasurer
Mr. Kewal Krishan Singhal
98111-15945

Executive Members
Mr. Ashok Aggarwal
Mr. Ashok Kumar Nandra
Mr. D. K. Vohra
Mr. Deepak Bhatia
Mr. M. N. Pandey
Mr. Mohd Mustaqeem
Mr. P. K. Chauhan
Mr. P. N. Kapur
Mr. Prashant Aggarwal
Mr. Prabir Kumar Mukherjee
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mr. Sandeep Aggarwal
Mr. Sanjay Sharma
Mr. Shiv Mittal
Mr. Simranjot Singh Bhatia
Mr. Sunil Jain
Mr. Vijay Goel
Mr. Vijay Jain
Mr. Vikas Gaur
Mr. Vivek Jain

Executive Secretary
H.L. Khanna
9958043222

Delhi Printers' Association
Flat No. 26A,
Shanker Market,
New Delhi-110001
Tel. : 011-23414415
Telefax : 011-23412574
Email : delhiprinter@hotmail.com

स्वास्थ्य

बदलते मौसम में बरतें सावधानी

आजकल तापमान में उतार–चढ़ाव शुरू हो गया है। दिन का तापमान बढ़ जाता है तो रात में पारा लुढ़क जाता है। ऐसे में थोड़ी असावधानी आपकी सेहत बिगाड़ सकती है। खासकर अगर आपका शरीर कमजोर है तो ऐसी लापरवाही काफी महंगी भी साबित हो सकती है। एनडीएमसी के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. अनिल बंसल बता रहे हैं कि आप इस मौसम में खुद को कैसे स्वस्थ और सुरक्षित रखें।

ऐसे में थोड़ी भी लापरवाही सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। इस कारण आजकल सर्दी, जुकाम से लेकर बुखार तक की समस्याएं सामने आ रही हैं। खासकर छोटे बच्चों, वैसी महिलाएं जिन्हें एनीमिया की समस्या है, मधुमेह और टीबी के मरीज, एड्स रोगी आदि इस मौसम में काफी परेशानी महसूस करने लगते हैं।

धीरे–धीरे मौसम बदलता जाएगा, जिसमें दिन में गर्मी और रात में ठंडक रहेगी। इस मौसम में लोग कपड़े हटाने या कम करने की कोशिश करने लगते हैं। लेकिन यह कोशिश उन्हें बुखार और सांसों की बीमारी से लेकर अटैक तक का झटका दे सकती है। वैसे अभी उतना अधिक घबराने वाला मौसम तो नहीं है, लेकिन वायरल अटैक और बुखार, जुकाम का मौसम तो है ही। खासकर कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग आजकल इसकी चपेट में आ रहे हैं और हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं।

आजकल डॉक्टरों के पास पहुंचने वाले रोगियों में बुखार और सांस की समस्या से पीडित लोग अधिक हैं। उनमें ज्यादातर छोटे बच्चे, बुजुर्ग, कमजोर महिलाएं हैं। अगर आप मधुमेह के शिकार हैं या टीबी से पीडित हैं या एड्स की गिरफ्त में हैं, तो आप भी इस वायरल के प्रभाव में आ सकते हैं, क्योंकि इस मौसम के वायरस कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वालों पर अपना असर छोड़ने में सफल हो रहे हैं। अभी का बुखार आमतौर पर साफ–सफाई का थोड़ा खयाल रखने से 5–7 दिनों में खुद ही ठीक हो जाता है। सावधानियां न बरती जाएं और बुखार लगातार जारी रहे तो निमोनिया या फेफड़े में संक्रमण की समस्या हो सकती है। इसके बाद तो आपको अच्छी तरह से पूरा डॉक्टरी इलाज कराना ही पड़ेगा।

यह मौसम बाहर खाने–पीने का भी है। बाहर खाने–पीने पर पर्याप्त ध्यान नहीं देने से आप उल्टी, दस्त आदि के शिकार हो सकते हैं। यह फूड प्वायजनिंग या एनिवायसिस की समस्या के कारण होता है। छोटे बच्चे इस मौसम में पानी पीना पसंद नहीं करते। ऐसे में अगर दस्त हो जाए तो डिहाइड्रेशन की समस्या सामने आती है और बच्चे को हॉस्पिटल ले जाना पड़ता है।

यह वायरल इंफेक्शन का मौसम है। यह वायरस बस, मेट्रो आदि में तो आपका हमला कर ही सकता है, आपके घर में भी आपके ऊपर इसका हमला हो सकता है। इससे बचाव के लिए सबसे जरूरी है साफ–सफाई। चाहे आप दफ्तर में रहें या घर में, बार–बार हाथ धोते रहें। बाहर से घर लौटें तो हाथ और चेहरा को अच्छी तरह धोएं। अगर आपको खांसी हो रही है तो खांसते समय मुंह पर रुमाल जरूर रखें ताकि सामने वाला संक्रमित न हो। सामने कोई दूसरा व्यक्ति खांस रहा है तो आप वहां से हट जाएं, अन्यथा आप भी उस वायरस की चपेट में आ सकते हैं। जुकाम की स्थिति में नाक साफ करने के लिए अलग से रुमाल रखें और उसकी सफाई भी अलग ही करें।

इस मौसम में मधुमेह से पीडित रोगियों को खास सावधानी बरतने की जरूरत होती है। शुगर से परहेज करें और दवाओं का नियमित रूप से सेवन करें, अन्यथा आपको अटैक पड़ सकता है। यह अटैक ब्रेन का भी हो सकता है और हार्ट का भी। इसलिए खानपान का खयाल रखें, पूरा परहेज करें और नियमित व्यायाम करें। अगर आप ड्रिंक करते हैं तो इस मौसम में उसका इस्तेमाल बिल्कुल छोड़ दें।

वर्ष 2018–2019 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2018–2019 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2017–2018 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है।

यदि आप वार्षिक चंदा बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है।

Delhi Printers' Association	Delhi Printers' Association
Current A/c No. 00502310000001	Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code-HDFC0CTJCBL	IFSC Code-SYNB0009004
Bank Name-The Janata Co-Operative Bank Ltd.	Bank Name - Syndicate Bank

नोटः– कृपया HDFC खाता धारक उपरोक्त बैंक खाते में शुल्क जमा न करें।

Printing, Processing and Binding Sponsored by

PARAS PRINTERS
Complete Printing Solution

347, FIE Patparganj Industrial Area, Delhi - 110 092
Phone : +91-11-43092892, +91-9811083737
E mail : parasprinters@gmail.com paras.ctp@gmail.com

अध्यक्ष की कलम से

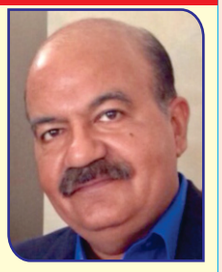

जैसा कि पत्रिका के पिछले अंक में बताया गया था, दिल्ली में उद्योग चलाना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट गठित मॉनीटरिंग कमेटी द्वारा दिल्ली के रिहायशी एवं नॉन-कन्फॉर्मिंग इलाकों में चल रही औद्योगिक इकाइयों को नोटिस देने तथा सील करने का कार्य तो चल ही रहा है, साथ ही नैशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल द्वारा गठित सीपीसीबी, डीपीसीसी, डीएसआईआईडीसी तथा दिल्ली जल बोर्ड के प्रतिनिधियों की एक टीम विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भेजी जा रही हैं जो वहाँ चल रही इकाइयों में जाकर निरीक्षण कर रही हैं कि उनके पास डीपीसीसी का एनओसी तथा कन्सैन्ट-टू-ऑपरेट सर्टिफिकेट है कि नहीं, इकाई द्वारा निकाला जा रहा हैज़ार्डस वेस्ट ड्रमों में सुरक्षित रखा जा रहा है या नहीं, कोई जल प्रदूषण तो नहीं हो रहा है, ई.टी.पी./सी.ई.टी.पी. ठीक से कार्य कर रहा है या नहीं, गैरकानूनी तौर पर जमीन से पानी तो नहीं निकाला जा रहा है, आदि। यदि निरीक्षण में कोई कमी पाई गई तो उस इकाई को नोटिस दिया जा सकता है। अतः डीपीए द्वारा आप सभी उद्योगपतियों को सचेत किया जाता है कि अपनी इकाइयों में इस प्रकार की कोई कमी हो तो उसे शीघ्र ही पूरा कर लें तथा अपने सभी रिकार्ड आदि अप-टू-डेट रखें।

दिल्ली सरकार द्वारा नोटिफिकेशन जारी करके दिल्ली के कर्मचारियों के वेतनमानों को बढ़ाए जाने का दिल्ली हाई कोर्ट ने 4 अगस्त के अपने फैसले में संवैधानिक आधार पर इस नोटिफिकेशन को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार द्वारा गठित एडवाइज़री कमिटी के सुझावों को यह कहते हुए उचित नहीं माना कि उस कमिटी में उद्योगपतियों तथा कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया गया। कोर्ट आर्डर के बावजूद दिल्ली सरकार अपने कदम पीछे खींचने के लिए तैयार नहीं है। अब वह फिर से एक नई सर्वांगिक कमिटी गठित करके आगे की कार्यवाही करने जा रही है। दूसरी ओर हाई कोर्ट के इस फैसले को दिल्ली सरकार के लेबर डिपार्टमैन्ट ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी है। मिनिमम वेज में 40 प्रतिशत तक की गई बढोत्तरी सभी उद्योगों के खर्चों में एक बड़ा उछाल लाती है तथा उन्हें अपने रेट संशोधित करके मंहगाई बढ़ाने पर मजबूर करती है। सरकार के इस कदम से घरेलू, सूक्ष्म तथा छोटे उद्योग सबसे अधिक प्रभावित होंगे। ऐसे छोटे उद्योगों को संगठित होकर अपने रोज़गार, कर्मचारियों तथा अपने परिवारों के जीवन-यापन के लिए सरकार से गुहार लगानी होगी।

-राजेश सरदाना
अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

सदा सफलता पाने की इच्छा रखना किसी नशे से कम नहीं होता है किन्तु इसे लगातार प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार के बलिदान करने पड़ते हैं। काम और आराम अथवा आनन्द लेने के समय के बीच उचित सन्तुलन रखना पड़ता है ताकि व्यवसायिक उन्नति के साथ पारिवारिक समन्वय एवं स्वास्थ्य का ध्यान भी पूर्ण रूप से रखा जा सके। हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती रहती है कि इस प्रकार की सफलता प्राप्त कर पाने की हमारी गति धीमी न पड़े।

सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले हमें एक व्यवहारिक अथवा यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करना होगा जिसे प्राप्त करने की योजना पूरी तरह स्पष्ट होनी चाहिए, साथ ही योजना के अनुसार कार्यवाही करने में पूर्ण सख्ती बरतते हुए थोड़ा लचीलापन भी रखना होगा। काम के साथ मनोरंजन की बात करें तो आज के समय में फेसबुक, वहाट्सएप, चैटिंग आदि उपयोग करने में आपका मूल्यवान समय एक हद के अन्दर रहना चाहिए ताकि अधिक से अधिक समय आप लक्ष्य प्राप्ति में लगा पाएँ। आज के समय में अक्सर उद्यमी 'मोटिवेशनल स्पीकर' (प्रेरणा देने वाले वक्ताओं) द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रेरणादायक उपदेश व उदाहरण सुनने जाते हैं ताकि उन्हें अपने जीवन में उपयोग करें तथा व्यवहार में लाकर उनका लाभ पा सकें। देशप्रेमवश अथवा रोज़गार प्राप्त करने के उद्देश्य से युवावर्ग जब थल सेना, वायु सेना अथवा जल सेना में भर्ती होता है तो कठोर अनुशासन में रहकर तथा प्रेरणादायक उपदेश सुनकर वह युद्ध में जाने के लिए सदैव तैयार रहता है जबकि उसे पूरा आभास रहता है कि युद्ध से शायद वह वापिस न लौट पाए। अपने दृढ़ विश्वास एवं एकल धारणा के तहत जवान कठिन से कठिन आज्ञाओं का पालन करते हुए गर्म एवं बर्फ़ीले क्षेत्रों में कर्त्तव्य करते हुए देश की रक्षा के लिए निरंतर तत्पर रहता है। इसी प्रकार यदि हम एक ध्येय को लेकर अपने व्यवसाय के लिए पूर्णतः समर्पित रहकर कार्य योजना पूरी करने में जुट जाएँगे तो समयानुसार हम सफलता अवश्य प्राप्त कर पाएंगे।

अतः हमें अपने व्यवसाय का पुनरावलोकन कर लेना चाहिए तथा बाज़ार का रूख देखकर अपनी कम्पनी में आवश्यकतानुसार बदलाव लाने का प्रयत्न करना चाहिए। शीघ्र ही हम अपने उद्देश्य को पूर्ण कर पाने में सफल होंगे।

-महिन्द्र बुद्धिराजा
महासचिव

DDM GRAPHIC

www.ddmgraphic.in

EUROPE'S BEST USED
OFFSET & BINDING MACHINES

HEIDELBERG · MITSUBISHI HEAVY INDUSTRIES, LTD. · RYOBI · KBA · KOMORI Kando : Beyond Expectations

294, Patpar Ganj Indl. Area, Delhi-92. Mobile: 9871155294, 9311611152
+91-11-43054852, **Email:** d.d.m.graphic@gmail.com

दुनिया के लिए मिसाल बनेगा रकाबगंज का प्रिंटिंग सेंटर

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी रकाबगंज गुरुद्वारे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की प्रिंटिंग के लिए वर्ल्ड क्लास सेंटर बना रही है। पूरी दुनिया में गुरु ग्रंथ साहिब जी की प्रिंटिंग सिर्फ दिल्ली और अमृतसर में ही होती है। ऐसे में पहले से बने सेंटर को रेनोवेट कर वर्ल्ड क्लास टेक्नॉलजी और मॉर्डन इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ बनाया जा रहा है। इसमें हाई क्वॉलिटी की प्रिंटिंग मशीनें लगाई जाएंगी।

सेंटर को कई हिस्सों में डिवाइड कर अलग–अलग लेवल बनाए जाएंगे, कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड होगा और एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगीं। सेंटर बनने के बाद देश–विदेश से आए टूरिस्ट इस सेंटर को देख सकें इसके लिए स्पेशल विजिटर गैलरी भी बनाई जा रही है जहां से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप कैसे प्रिंट होते हैं, कैसे एडिटिंग होती है, कहां सुखआसन किया जाता है, सब देख सकेंगे। कमिटी का दावा है कि दिल्ली के बाकी ऐतिहासिक इमारतों और जगहों में यह सेंटर सबसे शानदार होगा।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के जनरल सेक्रेटरी मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि सेंटर को रिडिवेलप करने का काम शुरू हो गया है। हमारा मकसद गुरु महाराज के सेंटर को ऐसा लुक देना है जिससे यहां आने वाला हर व्यक्ति इसकी तारीफ करे। यह ऐसा सेंटर होगा, जिसकी मिसाल दुनियाभर में दी जाएगी। इसका इंटीरियर तो लाजवाब होगा ही, साथ ही बाहरी बिल्डिंग को भी स्पेशल कारिगरों से तैयार कराया जा रहा है। सिरसा ने कहा कि शायद ही दुनिया में ऐसी कोई दूसरी बिल्डिंग हो जहां टेक्नोलॉजी के अलावा ऐसा काम किया गया हो। जल्द से जल्द इस सेंटर को पूरा कर प्रिंटिंग शुरू कर दी जाएगी।

सिरसा ने बताया कि पूरे दुनिया में जितने भी गुरुद्वारे हैं, वहां के लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की प्रिंटिंग सिर्फ दिल्ली और अमृतसर में ही होती है। इसको ध्यान में रखते हुए दिल्ली का सेंटर दोबारा से डिवेलप किया जा रहा है। सिरसा ने बताया कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की प्रिंटिंग के लिए एक–एक पेज को काफी गंभीरता से प्रिंट किया जाता है। इसके बाद गुरुद्वारों के हेड ग्रंथी की ड्यूटी लगती है करेक्शन करने की। इसके बाद गलतियों को ठीक किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में कई महीने लगते हैं और डिमांड काफी ज्यादा है। ऐसे में इस सेंटर में हाई टेक मशीन लगाई जा रही हैं, जिससे काफी समय बचेगा।

–नवभारत टाइम्स से

चीन में भारतीय नोटों की छपाई की बात झूठी : केंद्र सरकार

केंद्र सरकार ने चीन में भारतीय नोटों की छपाई को लेकर आ रही खबरों को निराधार बताया है। सरकार का कहना है कि ऐसी खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने इस मसले पर कहा कि नोटों की छपाई देश के भीतर ही होती है। चीन के किसी भी प्रिंटिंग प्रेस को भारतीय नोट छापने का ऑर्डर मिलने से जुड़ी सभी रिपोर्ट्स आधारहीन हैं। भारतीय करंसी नोट केवल भारत सरकार और आरबीआई की प्रिंटिंग प्रेस में छापे जाते हैं।

दरअसल, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट में यह कहा गया कि भारत, नेपाल, बांग्लादेश, मलयेशिया, थाइलैंड समेत कई देशों की करंसी चीन स्थित प्रिंटिंग प्रेसों में छापी जा रही है। यह रिपोर्ट बेल्ट ऐंड रोड प्रॉजेक्ट की वजह से चीन में अन्य देशों के नोट प्रिंटिंग के बढ़ते कारोबार और वहां की अर्थव्यवस्था पर इसके असर से संबंधित थी, जिसमें भारतीय करंसी की चीन में छपाई का जिक्र था। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली और पीयूष गोयल से स्पष्टीकरण की मांग की थी, वहीं आप नेता राघव चड्ढा ने भी ट्वीट के जरिए सरकार पर निशाना साधा था।

NARSINGH & COMPANY
HO: 2241/36, 1st Floor, Kucha Challan, Daryaganj, New Delhi -110002
Phone: 011-23280705, 23269068
Mobile No: 9313515899, 9650453034, 7838671806, 9555707274
Email: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

SAGAR SCREEN
HO: 3601, Gali Hakim Bua wali, Shyam Bhawan, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi -110002
Phone: 011-23265826, 23269068
Mobile No: 7838671806, 9555707274, 9313515899, 9650453034,
Email: sagar.screen147@gmail.com

KHUSHI RAM & SONS
G-147 (Basement), Sector-63, Noida -201301 (U.P.)Phone: 0120-2406271 / 72
Mob: 9313515899, 7838671806, 8076993759
Email: khushiramsons148@gmail.com: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

BO: 1/11287A, Street No. 1, Subhash Park, Near Namkeen Chowk, Navin Shahdara, Delhi -32, Ph:9313515899, 7838671806, 9971685304

AUTHORIZED DEALER : Hubergroup India Pvt. Ltd., Siegwerk India Pvt. Ltd, Zenith Rubber Limited, Fujikura Rubber, Blankets, KRS Royal Green Blankets, Technova Inkjet Media, Technova Plates & Chemicals. **STOCKIST:** Damping Hose, Glass Balls, KRS Royal Green Blankets, Rubber Blankets (Fujikura, Cow & Valcon Reavees, Sawa, etc), Loyee, Graphic Art Films (Fuji)Tapes (Panfix, Comat, Classic) Arabic Gum & Machine Gum and other offset processing & Printing materials, STC Chemicals, Carbon Rod, Astolen Sheet, etc.

तिल-तिल जीते, तिल-तिल मरते दिल्ली वाले

सीलिंग अभियान के भयानक साये में डरती, सहमती और तड़पती दिल्ली

दिल्ली का व्यापारी वर्ग, छोटे कारखानेदार, छोटे-छोटे कारखानों में कार्यरत श्रमिक, उनके परिवारजन दहशत के साये में पल पल गुजार रहे हैं। व्यापार चौपट है, धन्धे बन्द हैं, जीविका छिन रही है, हर दिल्लीवासी किसी न किसी रूप मे सीलिंग रूपी दानव से प्रभावित है। सीलिंग होते ही, दुकानदार हो या कारखानेदार, उस दुकान, व्यापार या कारखाने से जुड़ी एक पूरी चैन बर्बाद हो जाती है। व्यापार बन्द, श्रमिकों की नौकरी खत्म, जहां दुकान या कारखाना लगा होता था उसका मालिक भी सीलिंग की लपेटे में, उसकी जगह सील, पेमेन्ट का आवागमन, लेन-देन रुक जाना, व्यापारी की बैंकों की देनदारी प्रभावित, कुछ ही दिनों में मालिक हो या श्रमिक-सबके सामने रोजी-रोटी का सवाल परिवार को पालने की चिन्ता, कब क्या हो जाये कुछ पता नहीं, बेरोजगारी का तेजी से बढ़ता ग्राफ। ऐसे में प्रभावित व्यक्ति के समक्ष दो ही रास्ते होते हैं कि या तो वो दुखों से पार पाने की चाह में आत्महत्या करले या फिर परिवार को जीवित रखने की कोशिश में गलत हथकण्डे अपनाये। शायद यही कारण है कि सन् 2006 के बाद, जब पहली बार व्यापक स्तर पर सीलिंग शुरू हुई थी, तब से दिल्ली में अपराधों की भयानक बाढ़ आई हुई है। लूटमार, स्नैचिंग, मर्डर, रेप इन्हीं सब किस्मों की खबरों से दिल्ली के अखबार भरे रहते हैं, टी.वी. के सभी चैनल इसी प्रकार की खबरें प्रसारित करते रहते हैं मगर हमारे बुद्धिमान तथा सर्वज्ञ ज्ञानी अधिकारी, जनता के चुने हुए प्रतिनिधि या फिर राजनीतिक दल और उनके नेता समस्या की जड़ तक पहुंचने का प्रयास ही नहीं करते या फिर समस्या का समाधान करना ही नहीं चाहते हैं।

एक वक्त था जब दिल्ली की राजनीति में पैर जमाते हमारे आज के मुख्यमंत्री जनाब केजरीवाल खम्बे पर चढ़ कर स्वयं बिजली के कटे कनैक्शन जोड़ दिया करते थे, मगर आज ये हालत है कि दिल्लीवासी त्राहिमाम कर रहे हैं मगर मुख्यमंत्री के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। उनकी स्वार्थी सोच तो यही होगी कि सीलिंग मुद्दे पर जनता भाजपा और मोदी को कोस रही है, उन्हें ही जिम्मेवार मान रही है तो मेरा तो फायदा ही है, जनता त्रस्त होकर भाजपा को चुनावों में हरायेगी तो शायद 'आप' पार्टी की लाटरी लग जाये और दिल्ली की लोकसभा सीटें नेगिटिव वोटिंग के चलते उनकी झोली में आ गिरें। वाह रे मुख्यमंत्री-वाह री दिल्ली सरकार।

उधर भाजपा का आलाकमान शायद दिल्लीवासियों से विधानसभा में हुई अपनी हार का खुलकर बदला लेने पर उतारू लग रहा है। और अब जब पानी सर से ऊपर निकलने लगा तब भाजपा ने अपने प्रदेश अध्यक्ष से एक मकान की सील तुड़वा कर अपने शहीदी नाटक के द्वारा दिल्ली के नागरिकों की सहानुभूति प्राप्त करने का अधकचरा प्रयास शुरू किया है। समझ से बाहर है कि सील तोड़ने के ड्रामे की बजाय सत्तासीन शक्तिशाली भाजपा अध्यादेश के माध्यम से सील खुलवाने और सीलिंग रुकवाने का काम क्यों नहीं कर रही है?भई अगर एस.सी./एस.टी. एक्ट पर अध्यादेश लाकर वोटों की राजनीति हो सकती है तो सीलिंग प्रावधान पर अध्यादेश लाकर भी तो वोटों की प्राप्ती हो सकती है और लोगों का जीवन तथा व्यापार बचाने का पुनीत कार्य भी किया जा सकता है।

जहां तक 130 साल पुरानी और सबसे बड़ी कांग्रेस पार्टी का सवाल है वो तो दिल्ली में शायद 2013 से ऐसी सुप्तावस्था में चली गयी है कि लगने लगा कि शायद कोमा में ही चली गई। हकीकत में तो दिल्ली के जनजीवन को उथल-पुथल करने वाली सीलिंग की इस समस्या की जिम्मेवारी तो कांग्रेस की ही बनती है। अगर 2006 में सत्तारूढ़ कांग्रेस और उसके शहरी विकास मंत्रालय में विराजमान दिल्ली के मौजूदा अध्यक्ष जी ने तभी इस समस्या का सम्पूर्ण निदान कर दिया होता- लटकाये ना रखा होता, तो आज ये समस्या इतने विकराल रूप में सामने ना होती। और अब भी दिल्ली कांग्रेस नींद से तभी जागी जब दिल्ली तबाह और बर्बाद हो गई। वैसे तो बेचारी कांग्रेस कुछ ज्यादा कर ही नहीं सकती थी कि क्योंकि दिल्ली को तो कांग्रेस के नेताओं ने अपने आपसी झगड़ों और गुटबाजी के चलते वैसे ही गंवा दिया था मगर इस वक्त अगर कांग्रेस कुछ वक्त पहले अपने समस्त नेताओं के साथ, एयर कण्डीशन कमरों से बाहर निकलकर, एकजुट होकर दिल्ली की जनता के हितों की रक्षा के लिए गुहार करती, सड़कों पर आती, सांसदों का घेराव करती तो आज कांग्रेस अपना खोया आधार दोबारा प्राप्त कर सकती थी। मगर अब तो दिल्लीवालों की जुबान पर जुमले हैं कि 'बड़ी देर की मेहरंबा आते आते' या फिर 'सब कुछ लुटा के होश में आये तो क्या किया।' हकीकत तो यही है कि दिल्ली के व्यापारी एवं कारखाने वाले अपने भविष्य के प्रति चिन्तित है और आज की तारीख तक भगवान भरोसे बैठे हैं।

-विजय मोहन
पूर्व अध्यक्ष, डीपीए

डिजिटल क्रांति का लाभ उठाए हिंदी

हर देश और हर भाषा के जीवन में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जो उन्हें चिर काल के लिए बदल देते हैं। औद्योगिक क्रांति ने विश्व का नक्शा बदलकर रख दिया था और यूरोप की भाषाओं को एक अलग स्तर पर ला खड़ा किया था। तीन सौ साल पहले भारत में अंग्रेज न के बराबर थे और 150 साल पहले तक देश में अंग्रेजी बमुश्किल बोली जाती थी। मैकाले के सौ साल और आजादी के सत्तर साल बाद भी मुश्किल से सात–आठ प्रतिशत भारतीय अंग्रेजी बोलते हैं, लेकिन इसके बावजूद अंग्रेजी आज प्रगति और विज्ञान की महत्वाकांक्षी भाषा बन गई है। भारत में बिना अंग्रेजी के न तो आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं और न ही न्याय हासिल कर सकते हैं। विभिन्न स्तर पर प्रयास चलते रहते हैं कि अंग्रेजी के हौवे को थोड़ा कम कर और इस भाषा की पकड़ को तनिक ढीलाकर भारतीय भाषाओं को आगे लाया जाए, लेकिन हिंदी दिवस जैसे आयोजन हमें इसका अहसास करते हैं कि चाह भले कुछ भी हो, प्रगति नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाली ही है। उग्र राजनीति के इस युग में हिंदी के मसले पर राष्ट्रीय सहमति बन पाना लगभग असंभव दिखता है, लेकिन हिंदी और साथ ही अन्य सभी भारतीय भाषाओं के लिए डिजिटल क्रांति एक मौका है जिसे यदि पकड़ लिया जाए तो निश्चित रूप से एक बड़ी छलांग लगाई जा सकती है।

बहुत समय नहीं हुआ जब लोग अपने घर तक बीएसएनएल की लैंडलाइन आने का सालों इंतजार करते थे, लेकिन आज उन्हीं घरों में चार–चार मोबाइल फोन हैं। टेक्नोलॉजी वह चीज है जिसके दम पर पिछलग्गू भी एक क्षण में कतार में सबसे आगे आ खड़ा हो सकता है। तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास और विस्तार हुआ है, लेकिन तकनीक के क्षेत्र में हिंदी की स्थिति कोई बहुत बेहतर नहीं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हिंदी की–बोर्ड का उचित मानकीकरण तक न हो पाना है। हालांकि आज कई एप्प अपने आप को हिंदी में ला रहे हैं। ये मुख्यतरू बैंकिंग, यात्रा और ई–कॉमर्स से जुड़े हैं, परंतु इनका हिंदीकरण पहले एक–दो पन्ने का ही होता है और उसके बाद सारी सामग्री अंग्रेजी में होती है। समस्या यह है कि हम इंटरनेट को भारतीय बनाने का प्रयास कर रहे हैं और इस कोशिश में फिलहाल अनुवाद से ज्यादा कुछ खास नहीं हो पा रहा है।

इसका समाधान क्या है? अब भारतीय

भाषाओं में एक भारतीय इंटरनेट का निर्माण करने की आवश्यकता है ताकि उसका स्वरूप भारत की भाषाओं की विशेषता के हिसाब से हो। आज आप भले ही हिंदी में कुछ वेबसाइट्स से टिकट लेने में सक्षम हों, लेकिन आइआरसीटीसी का मोबाइल एप्प आपको अंग्रेजी के सिवाय किसी और भाषा में टिकट नहीं खरीदने देता। आपको उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश अथवा अन्य हिंदी भाषी इलाके में होटल देखने हों तो आपको रिव्यू हिंदी में आसानी से नहीं मिलेंगे। इसका तोड़ नए सिरे से सिर्फ हिंदी में एप्प बनाना है। ऐसे उपायों से ही हिंदी का सही मायनों में विकास हो सकेगा और उसका दायरा और व्यापक हो सकेगा। इस मामले में सरकार एक सीमा से ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। स्पष्ट है कि हिंदी समाज को ही जिम्मेदारी लेनी होगी।

भारत की जनसंख्या का जो सात–आठ प्रतिशत अंग्रेजी बोलता है वह ऑनलाइन हो चुका है। शेष जो ऑनलाइन हो रहे हैं वे भारतीय भाषा भाषी हैं। शायद इनके लिए कोई एप्प विकसित करना एक व्यावसायिक विफलता हो। ऐसे में यह जिम्मेदारी उन हिंदी भाषियों की है जो पहले से ऑनलाइन हैं और अंग्रेजी में सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। उन्हें नए उत्पादों की मांग करनी चाहिए। इसमें केंद्र सरकार से ज्यादा जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है जो हिंदी में बाजार खड़ा करने का एक वातावरण तैयार कर सकती हैं। सबसे पहले सभी छात्रों को हिंदी टाइपिंग अनिवार्य रूप से कक्षा 10 के पहले सिखाई जानी चाहिए। अंग्रेजी में टाइप करना तो बच्चे आज जल्दी ही सीख लेते हैं, पर हिंदी अगर मजबूरी न हो तो कभी नहीं सीखेंगे। हिंदी में सॉफ्टवेयर निर्माण के लिए थोड़ा जोर लगाने की जरूरत है। सरकार की भूमिका सिर्फ प्रोत्साहन देने तक की हो सकती है। हिंदी में सॉफ्टवेयर बनाने के लिए थोड़े से वित्तीय संसाधन और कुछ हिंदी प्रेमी तकनीकी दक्ष युवा पर्याप्त हैं। ध्यान रहे कि आज ऐसे दक्ष युवाओं की कोई कमी नहीं है।

आज हिंदी की एक ही समस्या है कि हिंदी वालों के लिए निजी क्षेत्र में ज्यादा पैसे वाली नौकरियां नहीं हैं। इसका एक मुख्य कारण ऐसी नौकरियों का बड़े शहरों में केंद्रित होना है। हिंदी को आगे बढ़ना है तो पहले हिंदी में चलने वाले उद्योगों जैसे–मनोरंजन, कला, समाचार, धारावाहिक और रेडियो का संपूर्ण हिंदीकरण करना होगा। आज इनमें से किसी के लिए भी आपको किसी खास जगह होने की आवश्यकता नहीं है। आज मनोरंजन, समाचार, धारावाहिक आदि यू–ट्यूब पर ज्यादा देखे जाते हैं। छोटे शहरों के हमारे होनहार यू–ट्यूब पर सेलिब्रिटी बन चुके हैं, लेकिन प्रसिद्ध होने के बाद कूल होने के लिए वे अंग्रेजी के पीछे भागते हैं। यू–ट्यूब उनसे हिंदी में बात नहीं करता। वहां टिप्पणी भी रोमन हिंदी में ही आती है। इसका जवाब यू–ट्यूब का हिंदीकरण नहीं, बल्कि हिंदी का अपना यू–ट्यूब होना है जहां हिंदी में लिखा जाना ही कूल समझा जाए। बस एक तकनीकी सफलता चाहिए और फिर हिंदी छलांग लगाती दिखेगी। वैश्वीकरण के जमाने में सरकार से यह उम्मीद करना ठीक नहीं कि वह फेसबुक, यू–ट्यूब ट्विटर की अनदेखी कर दे या फिर चीन की तरह रवैया अपनाए प रंतु सरकार तकनीक के क्षेत्र में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन को प्राथमिकता तो दे ही सकती है।

एक बार नौकरियां मिलने लग जाएं तो शिक्षा के क्षेत्र में मशीन लर्निंग द्वारा संसार का सारा ज्ञान हमारी भाषा में आसानी से उपलब्ध कराया जा सकता है और अच्छे शिक्षक एक जगह पर होते हुए भी लाखों छात्रों द्वारा देखे–सुने जा सकते हैं। यदि यह मौका छूटा तो हिंदी हमेशा उपयोग–उपभोग की भाषा बनने के लिए अभिशप्त होगी, जैसे कि आज का बॉलीवुड, जहां बस बोलने के लिए ही हिंदी है। तेजी से बदल रहे संदर्भों में हमें अपने कान, आंख और दिमाग की खिड़कियां खुली रखनी होंगी तभी युवाओं की अभिलाषा को पूर्ण करने में हिंदी एक सेतु का काम कर सकेगी।

–अनुराग गौड़

–लेखक सोशल नेटवर्किंग साइट 'मूषक' के संस्थापक एवं सीईओ हैं ,

MAGIC

MAGIC ROLLS COMPANY

A name for excellence

Printing Rubber Rollers

Combo UV/Rollers/Rilsan Rider/PU Rider

Contact: Amandeep Singh

Mobile: 9810177933, 9818059995

E-mail: magicrolls@gmail.com

Website: www.magicrollcompany.com

प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी में टाप करने पर राज्यपाल ने सम्मानित किया

गुरू जम्बेश्वर विश्वविद्यालय हिसार से प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर में टॉप करने वाली कोमल शर्मा को दीक्षांत समारोह में राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने गोल्ड मेडल प्रदान किया।

समारोह में केंद्रीय रेल मंत्री सुरेश पी. प्रभु और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मौजूद रहे। कोमल आगे पीएचडी करना चाहती हैं। उनके पिता नरेश आकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय ने कोमल शर्मा को यह कह कर प्रवेश देने से मना कर दिया था कि वह इसके योग्य नहीं है। कोमल का कहना था कि उसकी प्रवेश परीक्षा अच्छी हुई है। सूचना के अधिकारी के तहत प्रवेश परीक्षा के मामले को उजागर किया।

इसके बाद विश्वविद्यालय को कोमल को एमटेक में प्रवेश देना पड़ा। उच्च शिक्षा प्राप्ति की जिद और मेहनत ने उसको इस उपलब्धि तक पहुंचाया। वह अपनी सफलता को श्रेय अपने माता पिता को देती है। उन्होंने बताया कि वह प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी द्वारा ऐसी तकनीक का आविष्कार करना चाहती है, जिससे कोई भी भारतीय मुद्रा की नकल करके जाली मुद्रा तैयार न कर सके।

New Member

Ess Kay Press P. Ltd., (Mr. S. K. Tyagi),
220, Patparganj, Indl. Area, Delhi-110 092.

जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं

Mr. Sunil Jain, former President of DPA and Owner of Graphic Print on 31.8.2018

Mr. Atul Goel, Joint-Secretary and owner of Kaveri Printers P. Ltd. on 18.9.2018

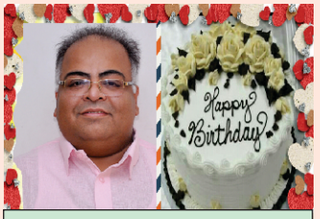

Mr. Deepak Arora, former President of DPA and Owner of JMD Colour Scan on 30.8.2018

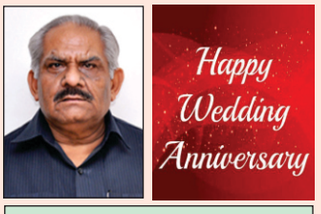

Wedding anniversary of Mr. Ashok Kumar Nandra, Executive Committe Member and Owner of Vipan Packers

स्मृति शेष

भारत रत्न और पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को प्रभु अपने श्री चरणों में स्थान दें। देशवासियों का दिवंगत आत्मा को शत् शत् नमन्।

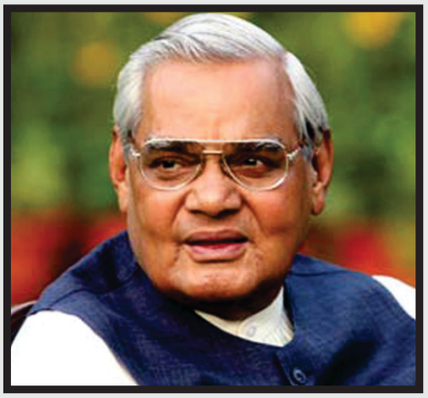

स्मृति शेष

जेएन अरोरा ग्रुप के श्री राजीव अरोरा की माताश्री श्रीमती के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

VOTE - SUPPORT - ELECT

UNITY IN DIVERSITY

Our PAN INDIA Team for all round representation at AIFMP 2018-19

President
Anand V. Limaye

Hon. General Secretary
Uday Dhote

Hon. Treasurer
Rajesh Sardana

Vice President (North)
Sunil Jain

Vice President (East)
Raghabendra N. Dutta Baruah

Vice President (West)
Vilas Sangurdekar

Vice President (South)
K. Kanakaraj

Hon. Joint Secretary
A. Balasubramanian

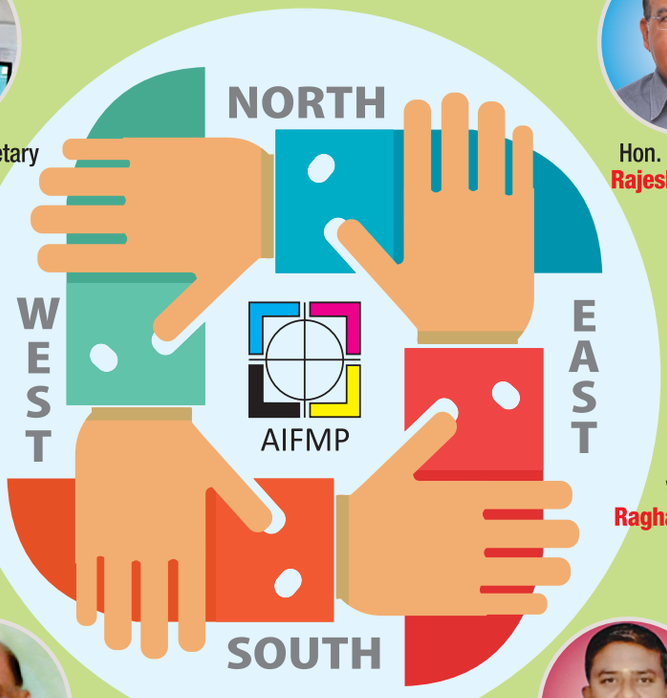

M.K.TRADING COMPANY

Authorised Distributor

SAKATA INX INDIA PVT. LTD.

TOYO INK INDIA PVT. LTD.

Deals in :

All Kinds of Offset Printing Material
& Book Binding Material

C-4/15, Ground Floor, Krishna Nagar, Delhi-51
Ph.: 011-22093611, M.: 9873362611
Email : mktradngco@gmail.com